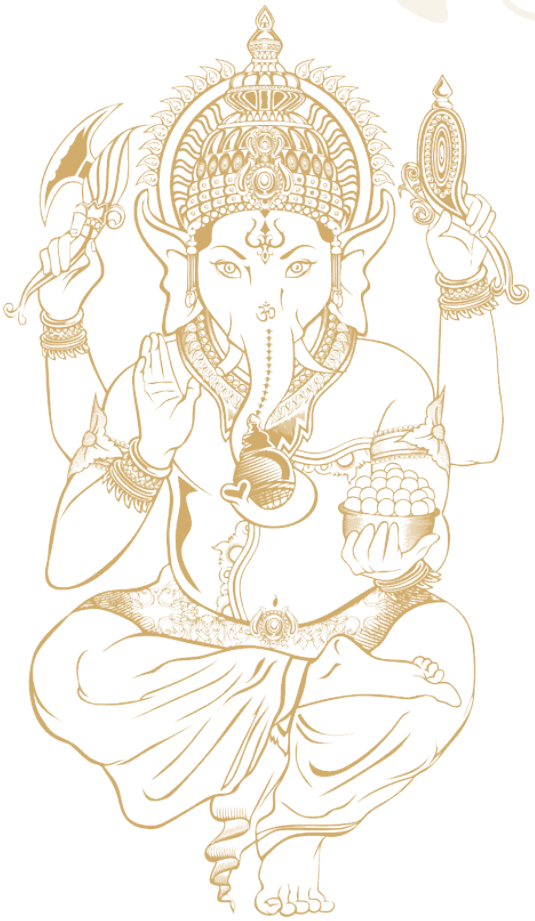

Ridhi

27 Oct 2001

03:22 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121765302

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/10/2001	जन्म तिथि	**27-28/10/2026**
शनिवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 15:22:00	जन्म समय	01:12:10 घंटे
घटी 22:02:53	जन्म समय(घटी)	46:38:24 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:50	सूर्योदय	06:32:48
17:38:18	सूर्यास्त	17:37:25
23:52:39	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:02

कुम्भ	लग्न	सिंह
शनि	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
शतभिषा	नक्षत्र	कृतिका
राहु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	2
वृद्धि	योग	व्यतिपात
वणिज	करण	गर
सी-सीताराम	जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
अश्व	योनि	मेष
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	गरूड़
25	गत/तत्कालिक वर्ष	26

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पू०भाद्रपद	1	22:53:42	कुंभ		
स्वाति	2	10:10:10	तुला		
शतभिषा	3	15:58:38	कुंभ		
उत्तराषाढ़ा	3	05:54:37	मक		
हस्त	4	22:00:14	कन्या		
पुनर्वसु	1	21:45:00	मिथु		
हस्त	4	20:56:45	कन्या		
रोहिणी	4	20:16:16	वृष	व	
मृगशिरा	4	04:59:39	मिथु	व	
मूल	2	04:59:39	धनु	व	
धनिष्ठा	2	27:02:14	मक	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			सिंह	00:32:26	1	मघा
सूर्य			तुला	10:10:10	2	स्वाति
चंद्र			वृष	02:30:20	2	कृतिका
मंगल			कर्क	22:15:20	2	आश्लेषा
बुध	व	अ	तुला	25:52:02	2	विशाखा
गुरु			कर्क	29:33:41	4	आश्लेषा
शुक्र	व	अ	तुला	04:17:57	4	चित्रा
शनि	व		मीन	15:19:28	4	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	03:07:36	3	धनिष्ठा
केतु	व		सिंह	03:07:36	1	मघा
मु			मीन	22:53:42	2	रेवती

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:02

लग्न-चलित

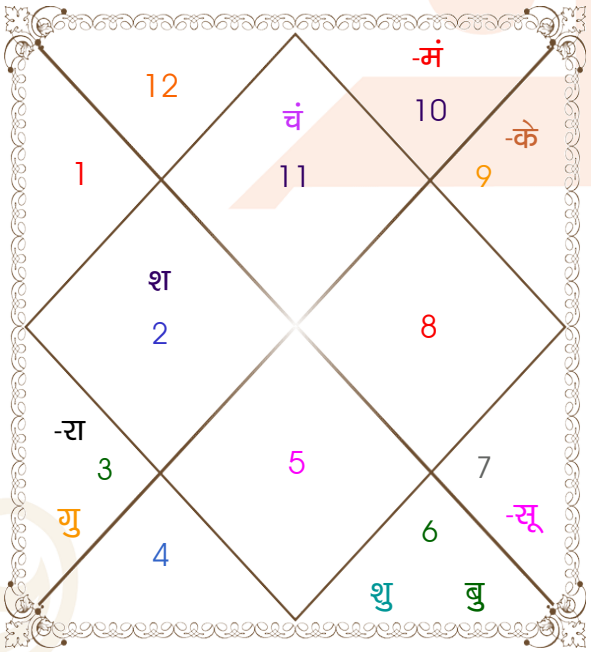

वर्ष लग्न कुंडली

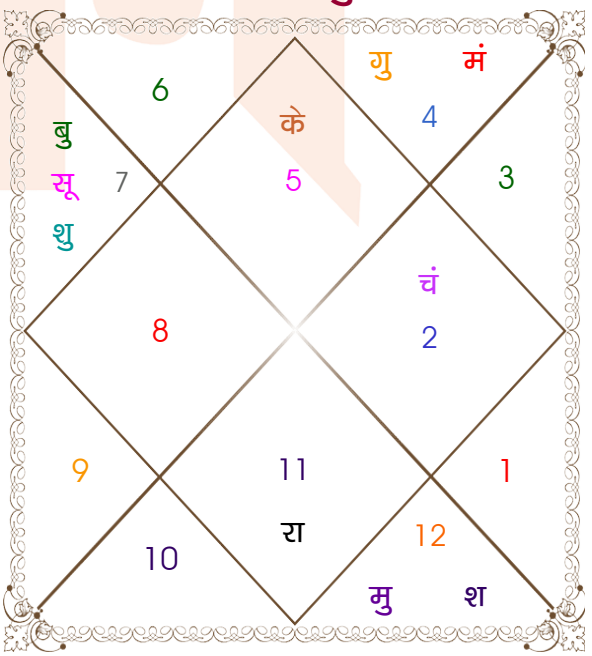

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - गुरु	
10/11/2025 13:49	
06/04/2026 01:58	
गुरु	30/11/2025 02:39
शनि	23/12/2025 07:22
बुध	13/01/2026 01:29
केतु	21/01/2026 14:36
शुक्र	15/02/2026 00:37
सूर्य	22/02/2026 08:25
चंद्र	06/03/2026 13:26
मंगल	15/03/2026 02:33
राहु	06/04/2026 01:58

शनि - बुध - बुध	
06/04/2026 01:58	
23/08/2026 08:37	
बुध	25/04/2026 19:30
केतु	03/05/2026 22:30
शुक्र	27/05/2026 03:36
सूर्य	03/06/2026 02:44
चंद्र	14/06/2026 17:17
मंगल	22/06/2026 20:16
राहु	13/07/2026 17:40
गुरु	01/08/2026 07:21
शनि	23/08/2026 08:37

शनि - बुध - केतु	
23/08/2026 08:37	
19/10/2026 17:00	
केतु	26/08/2026 16:54
शुक्र	05/09/2026 06:18
सूर्य	08/09/2026 03:07
चंद्र	12/09/2026 21:49
मंगल	16/09/2026 06:06
राहु	24/09/2026 20:34
गुरु	02/10/2026 12:05
शनि	11/10/2026 14:00
बुध	19/10/2026 17:00

शनि - बुध - शुक्र	
19/10/2026 17:00	
01/04/2027 13:31	
शुक्र	16/11/2026 00:25
सूर्य	24/11/2026 05:02
चंद्र	07/12/2026 20:45
मंगल	17/12/2026 10:09
राहु	11/01/2027 00:02
गुरु	01/02/2027 20:22
शनि	27/02/2027 19:01
बुध	23/03/2027 00:07
केतु	01/04/2027 13:31

शनि - बुध - सूर्य	
01/04/2027 13:31	
20/05/2027 17:17	
सूर्य	04/04/2027 00:30
चंद्र	08/04/2027 02:49
मंगल	10/04/2027 23:38
राहु	18/04/2027 08:36
गुरु	24/04/2027 21:54
शनि	02/05/2027 16:42
बुध	09/05/2027 15:50
केतु	12/05/2027 12:39
शुक्र	20/05/2027 17:17

शनि - बुध - चंद्र	
20/05/2027 17:17	
10/08/2027 15:32	
चंद्र	27/05/2027 13:08
मंगल	01/06/2027 07:50
राहु	13/06/2027 14:46
गुरु	24/06/2027 12:56
शनि	07/07/2027 12:16
बुध	19/07/2027 02:49
केतु	23/07/2027 21:31
शुक्र	06/08/2027 13:14
सूर्य	10/08/2027 15:32

शनि - बुध - मंगल	
10/08/2027 15:32	
06/10/2027 23:55	
मंगल	13/08/2027 23:50
राहु	22/08/2027 14:17
गुरु	30/08/2027 05:48
शनि	08/09/2027 07:44
बुध	16/09/2027 10:43
केतु	19/09/2027 19:00
शुक्र	29/09/2027 08:24
सूर्य	02/10/2027 05:13
चंद्र	06/10/2027 23:55

शनि - बुध - राहु	
06/10/2027 23:55	
02/03/2028 11:12	
राहु	29/10/2027 02:49
गुरु	17/11/2027 18:43
शनि	11/12/2027 03:06
बुध	01/01/2028 00:30
केतु	09/01/2028 14:57
शुक्र	03/02/2028 04:50
सूर्य	10/02/2028 13:48
चंद्र	22/02/2028 20:44
मंगल	02/03/2028 11:12

शनि - बुध - गुरु	
02/03/2028 11:12	
11/07/2028 13:13	
गुरु	19/03/2028 22:40
शनि	09/04/2028 16:47
बुध	28/04/2028 06:28
केतु	05/05/2028 21:59
शुक्र	27/05/2028 18:19
सूर्य	03/06/2028 07:38
चंद्र	14/06/2028 05:48
मंगल	21/06/2028 21:19
राहु	11/07/2028 13:13

शनि - बुध - शनि	
11/07/2028 13:13	
14/12/2028 05:07	
शनि	05/08/2028 04:44
बुध	27/08/2028 05:59
केतु	05/09/2028 07:55
शुक्र	01/10/2028 06:34
सूर्य	09/10/2028 01:21
चंद्र	22/10/2028 00:41
मंगल	31/10/2028 02:37
राहु	23/11/2028 11:00
गुरु	14/12/2028 05:07

शनि - केतु - केतु	
14/12/2028 05:07	
06/01/2029 19:52	
केतु	15/12/2028 14:10
शुक्र	19/12/2028 12:38
सूर्य	20/12/2028 16:58
चंद्र	22/12/2028 16:12
मंगल	24/12/2028 01:15
राहु	27/12/2028 14:16
गुरु	30/12/2028 17:50
शनि	03/01/2029 11:34
बुध	06/01/2029 19:52

शनि - केतु - शुक्र	
06/01/2029 19:52	
15/03/2029 07:08	
शुक्र	18/01/2029 01:44
सूर्य	21/01/2029 10:42
चंद्र	27/01/2029 01:39
मंगल	31/01/2029 00:06
राहु	10/02/2029 02:59
गुरु	19/02/2029 02:54
शनि	01/03/2029 19:17
बुध	11/03/2029 08:41
केतु	15/03/2029 07:08

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी। अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।